# श्री राम जय राम जय जय राम- सम्पूर्ण भजन

धुन- साई राम साई श्याम साई भगवान

ॐ श्री रामाय नमः, ॐ श्री रामाय नमः ॥॥
श्री राम, जय राम, जय जय राम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम ॥
रघुपति, राघव, राजा राम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम ॥

दुःख* भरे, जहाँ में, दीन* बंधु, राम हैं,
देंगे* सब को, आसरा, करुणा* सिंध, राम हैं।
दुर्बल, को जो, लेते थाम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 1 ॥

रोम* रोम, में सुधा, राम* जी, की बोलिए।
कष्ट* कोई, जो घेर ले, राम* राम, बोलिए ॥
सिद्ध, करेंगे, सारे काम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 2 ॥

डोर* देखो सौंप के, राम* जी के, हाथ में।
वोह* करें,गे रोशनी, गम* की काली, रात में ॥
साथ, तेरे वोह, सुबह शाम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 3 ॥

हर्ष* शोक, राम के, धूप* छाँव, राम की।
फूलों* संग, जो कांटे हैं, सब* है माया, राम की ॥
माटी, चँदन, उसके धाम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 4 ॥

राम* जी के, प्रेम में, जो* भी, प्राणी रोएगा।
आग* की, नदी में भी, वाल* न बाँका, होएगा ॥
रक्षक, उसके, संवय हैं राम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 5 ॥

राम* जी का, नाम ले, मोक्ष* छवरी, पा गई।
फिर* तुम्हारे चेहरे पे, क्यों* उदासी छा गई ॥
तूँ भी, भज ले, राम का नाम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 6 ॥

राम* जी, के प्रेम में, तूँ* भी, खो के देख ले,
आस्था* से, तूँ कभी, उन* का, हो के देख ले।

दुःख हर, लेंगे, तेरे तमाम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 7 ॥

राम* जी, वसें तेरी, आत्मा* की, प्यास में।
राम* भजन, की धुन में है, राम* हैं, विश्वास में॥
लाखों, रूप, हैं अनगिन नाम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 8 ॥

राम* जी की, तार से, तारें* अपनी, जोड़ दे।
उस* के बाद, होगा क्या, राम* जी पे, छोड़ दे॥
उनसे, अर्चन, कर निष्काम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 9 ॥

घिरे* वासी, अव्ध के, जब* थे, माया जाल में।
दिल* दिखाया, चीर के, अंज*ली के, लाल ने॥
बैठे, वहाँ थे, सिया संग राम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 10 ॥

जिन* पे राम, था लिखा, वोह* पाशान, तर गए।
भक्त* हो के, राम के, कष्ट* से क्यों, डर गए॥
राम, रटन तूँ, कर अविराम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 11 ॥

राम* से, तुम मांग ले, औष*धि, आराम की।
दुःख* निवा,रती दवा, राम* जी के, नाम की।
बिन मोल, है यह, लगता ना दाम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 12 ॥

वोह* निराश, होते ना, राम* जिनके, साथ हैं।
तूँ* अनाथ, तो नहीं, राम* तेरे, नाथ हैं॥
उनके, भरोसे, कर हर काम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 13 ॥

राम* जी के, नाम को, तूँ* कवच, बना भी ले।
मन* भवन, में मूर्ति, राम* की, वसा भी ले॥
सुखमय, होगा, फिर परणाम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 14 ॥

राम* तुम से, दूर ना, राम* तेरे, पास रे।
पूरी* करले, आस तूँ, राम* जी के, आसरे॥
उनके, चरणों, में चारों धाम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 15 ॥

राम* जी के, ध्यान में, जो* भी मन, से खो गए।
जान*की, के राम भी, उन* के ही, हो गए॥

भक्त, रटते, हैं आठों याम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 16 ॥

जल* में भी, तो राम हैं, थल* में भी, तो राम हैं।
आज* में भी, तो राम हैं, कल* में भी, तो राम हैं॥
कहीं नाम, वाले, कहीं हैं अनाम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 17 ॥

राम* जी से, डोर तुम, प्रेम* की, ही मांग लो।
राम* जी की, डोर से, राम* जी को, बांध लो॥
जीवन, करदो, राम के नाम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 18 ॥

राम* तुम्हारे, ईष्ट हैं, बंधु* सखा, ही राम जी।
राम* गुरु, का रूप है, माता* पिता, ही राम जी॥
जो भी, समझ लो, वोही हैं राम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 19 ॥

आस्था* से, कर भी लो, साधना*, श्री राम की।
काम* तुम्हारे, आएगी, कामना* ही राम की॥
जपिए, हर पल, राम राम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 20 ॥

राम* जिन, की नाव के, मांझी* बन के, आ गए।
भक्त* भी, तूफ़ान में, यूँ ही*, किनारा पा गए॥
वोही, संवारें,गे तेरे काम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 21 ॥

साध*कों को, राम जी, भूल के ना त्यागते।
भक्त* चाहे, सोए हों, राम* जी, हैं जागते॥
पल भर, भी करते, ना विश्राम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 22 ॥

राम* के, उपासको, होना* तुम, निराश ना।
चलती* साँस, जब तलक, टूटे* मन की, आस ना॥
इक्क दिन, संवारें,गे वोही काम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 23 ॥

व्यर्थ* ये, ना जाएगी, राम* की, आराधना।
राम* ने ही, हर समय, हाथ* को, है थामना॥
रटना, मन से, ये अविराम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 24 ॥

राम* की, लगन में जो, सुख* जहाँ, के भूलते।

उन* के हो, नाम के, छत्तर* जहां, मे झूलते ॥
मन में, वसा लो, बस एक नाम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 25 ॥

राम* जी से, राम ही, तुम* चुरा, के देख लो।
राम* जी के, सुर में तुम, सुर* मिला के, देख लो ॥
वोह साथ, देंगे, सुबह शाम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 26 ॥

राम* जी के, प्रेम की, डोर* टूटे, ना कभी ।
जग जो* रूठे, हम नहीं, राम* रूठे ना कभी ॥
दो, अक्षर का, राम नाम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 27 ॥

धरती* पे भी, राम हैं, राम* ही, गगन में हैं ।
राम* सागर, के जल में हैं, राम* ही, पवन में हैं ॥
चारों, तरफ है, राम ही राम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 28 ॥

अंत*रिक्ष है, राम का, यह* घटाएँ, राम की ।
सब* कलाएं राम की, सब* दिशाएँ, राम की ॥
उनके, बिना क्या, सृष्टि का काम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 29 ॥

प्रभु को* अगर, है देखना, धो* लो मन, की आँच को ।
फिर* कभी, भी आप पर, आने* ना देंगे, आँच वोह ॥
मन से, बन जाओ, उसके गुलाम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 30 ॥

जिनके* रोम, रोम में, राम* जी, हैं रम गए ।
उनके* अंगद, की तरह, पांव* जगत में, जम गए ॥
हिलने, का जो ना, लेते नाम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 31 ॥

जब* चरण से, राम ने, एक* छिला को, छूह लिया ।
पल* में ही, अहिलिया को, छाप* मुक्त, कर दिया ॥
उद्धार, करना, राम का काम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 32 ॥

राम* लगन की, डोर को, भूल* के, न तोड़िए ।
छूट* जाए, चाहे जहाँ, राम* को, ना छोड़िए ॥
होंगे, सहाई, मुक्ति के धाम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,,,,,,,,॥ 33 ॥

राम* रतन, अनमोल है, राम* का धन तुच्छ नहीं ।

जग* पसारा, राम का, राम* नहीं तो, कुछ नहीं ॥
राम, भजन से, मिलता आराम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम ॥
रघुपति, राघव, राजा राम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,,,
श्री राम, जय राम, जय जय राम,
श्री राम, जय राम, जय जय राम ।।।।।। ॥ 34 ॥

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/30290/title/shree-ram-jai-ram-jai-jai-ram

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |